राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक : अर्थशास्त्र

पाठ 2 : भारत में आर्थिक नियोजन

कार्यपत्रक - 2

1. 'योजना ही सफलता की कुंजी है। एक अच्छी तरह से नियोजित और क्रियान्वितरण नीति का, बेतरतीब और यादृच्छिकरण नीति की तुलना में सफल होने की अधिक संभावना है। 'इस कथन के प्रकाश में आपको यह समझाना होगा कि नियोजन क्या है व सफल नीति के क्रियान्वयन से पहले यह क्यों आवश्यक है?
2. भारत एक विशाल देश है जहां की जनसंख्या कई समस्याओं से ग्रस्त हैं । क्या आप को लगता है कि आर्थिक नियोजन भारत की कुछ समस्याओं को हल करने में सफल रहा है ? यदि हाँ, तो कैसे?
3. भारत ने पंचवर्षीय आर्थिक योजनाओं की प्रणाली को अपनाया है। आपको क्या लगता है कि हमारे पास पंचवर्षीय योजनाओं की यह प्रणाली क्यों है? क्या यह अवधि पांच साल से कम या ज्यादा हो सकती है? आप की राय में, भारत में अब तक की पंचवर्षीय योजनाओं की क्या-क्या उपलब्धियाँ हैं?

भारत एक विशाल देश है जहाँ इसकी आबादी को भोजन की कमी, महंगाई, निरक्षरता, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, बुनियादी ढांचे की कमी आदि से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आप की राय में इन मुद्दों को हल करने में योजना कैसे मदद कर सकती है?

मानलीजिये आपको भारत सरकार को अगलेपंच वर्षीय योजना के मुद्दों औ समस्याओं के बारे में सुझाव देना है, आप किस समस्या पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। दिए गए चरणों का पालन करते हुए उस समस्या के निवारण के लिए एक विस्तृत योजना बनाएं।

4. तीन से चार ऐसी समस्याओं की पहचान कीजिए जिनसे अर्थव्यवस्था अभी जूझ रही है।
5. इन समस्याओं की प्राथमिकता निर्धारित करें (जिस क्रम में आप इन समस्याओं को दूर करना चाहते हैं)।
6. उपरोक्त प्राथमिकता सूची में से उन समस्याओं की पहचान करें जिन्हें तत्काल कम समय में हल करने की आवश्यकता है और जिन्हें लंबे समय में हल किया जा सकता है।
7. निर्दिष्ट समय अवधि लक्ष्य निर्धारित करें जिसके भीतर समस्या का समाधान किया जाना है ।आप उन समस्याओं के लिए छह महीने से एक वर्ष तक का समय चुन सकते हैं जिन्हें कम समय में हल किया जाना है और एक से पांच साल तक उन समस्याओं के लिए जिन्हें लंबे समय में हल किया जाना है।
8. विचाराधीन आर्थिक समस्या को हल करने के लिए आवश्यक संसाधनों (वित्तीय, मानव, भौतिकऔरअन्य) की पहचान करें।
9. उपरोक्त संसाधनों को जुटाने के संभावित तरीकों की पहचान करें (उदाहरण के लिए वित्तीय संसाधनों को कराधान, आंतरिक उधार और बाहरी उधार के माध्यम से आयोजित किया जा सकता है)।
10. अपनी योजना को लागू करें और पांच साल की अवधि पूरी हो गयी यह मानते हुए अपनी योजना की एक काल्पनिक समीक्षा करें।